Regarding need to implement measures to combat air pollution in Mumbai-Laid

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ (मुम्बई उत्तर-मध्य) : मुंबई में बढ़ता वायु प्रदूषण आज एक गंभीर जन-स्वास्थ्य संकट बन गया है । शहर के कई हिस्सों में AQI लगातार 150-200 के बीच बना हुआ है, देवनार और वडाला जैसे क्षेत्रों में यह 300 से ऊपर जाकर खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है । IQAir और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मुंबई देश का सबसे प्रदूषित शहर बन चुका है । The Lancet और Air Quality Life Index बताते हैं कि प्रदूषण के कारण मुंबईकरों की औसत जीवन-प्रत्याशा लगभग 3.7 वर्ष घट रही है, देशभर में हर वर्ष लगभग 17 लाख लोगों की मृत्यु वायु प्रदूषण से होती है । धारावी पुनर्विकास परियोजना में नियमों के उल्लंघन, नासिक में साधु ग्राम कॉलोनी हेतु 1,700 से अधिक पेड़ों की कटाई और आरे कॉलोनी में मेट्रो कार शेड के लिए 2,000 से अधिक पेड़ों की कटाई ने हरित आवरण को भारी नुकसान पहुँचाया है, जिससे वायु गुणवत्ता और खराब हुई है । सरकार और अर्बन डेवलपमेंट मंत्रालय को निर्माण स्थलों की धूल पर सख्त नियंत्रण लागू करना चाहिए । खतरनाक AQI स्तर पर तुरंत निर्माण रोकना, नियमित पानी का छिड़काव, एंटी-डस्ट गन, और व्हील-वॉश सिस्टम अनिवार्य करना आवश्यक है । यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो मुंबई में भी दिल्ली जैसी स्थिति बनने का गंभीर जोखिम है ।